1-9-02

अपने पार्ट की स्मृति से खुशी में उड़ते मन्सा सेवा करते रहो

(विशेष जन्माष्टमी की मुबारक)

आज अमृतवेले बापदादा को चारों ओर की जन्माष्टमी मनाने का समाचार सुनाया और दोनों दादियों के उमंग-उत्साह बढ़ाने का भी समाचार सुनाया कि दोनों सब तरफ बहुत उत्साह बढ़ाती रहती हैं। बाबा बोले, जहाँ उमंग-उत्साह है वहाँ सफलता स्वत: ही है। बच्चों की सेवा पर बापदादा भी बलिहार जाते हैं। फिर मैंने सुनाया कि कितनी खुशी से सब जन्माष्टमी पर सुन्दर-सुन्दर झांकियां बनाते हैं जिससे भक्त आत्माओं को भी कुछ सन्देश मिल जाए। बाबा मुस्कराते बोले, भगत तो जड़ चित्रों से मनाते हैं, तुम बच्चे तो जानते हो कि बस कल हम तो प्रैक्टिकल में चैतन्य कृष्ण के साथ खेलेंगे, खायेंगे, रास रचायेंगे। भगत तो अपनी भावना पूरी करने लिए मन बहलाते हैं, आप बच्चे तो एक जन्म नहीं, अनेक जन्म भिन्न-भिन्न रूप से कृष्ण की आत्मा के साथ जीवन के साथी बन हीरो पार्ट बजायेंगे, बस याद रहता है ना कि आज यह हैं कल यह बनना है। ऐसे खुशी में ही उड़ रहे हैं और सर्व आत्माओं प्रति मन्सा सेवा कर सर्व को मुक्ति का वर्सा दिला रहे हैं। ऐसे कहते बापदादा बोले, हर एक बच्चा जो भी है, जैसा भी है लेकिन मेरा बच्चा महान है। हर बच्चे को यादप्यार देना। ऐसे बहुत स्नेह स्वरूप से सर्व को याद देते यह भी मिलन मर्ज हो गया और मैं अपने साकार वतन पहुंच गई।